

टहलुआ पुं. (देश.) टहल करने वाला, सेवक, खिदमतगार।

टहलू पुं. (देश.) सेवक, चाकर, नौकर।

टहूका पुं. (देश.) चुटकुला, पहेली।

टहोका पुं. (देश.) 1. झटका 2. हाथ या पैर से दिया जाने वाला धक्का मुहा. टहोका देना- झटकना, धक्का देना।

टांक पुं. (देश.) एक प्रकार की शराब।

टाँक स्त्री. (तद्.) 1. चार माशे की तौल 2. जाँच, परीक्षा 3. हिस्सा 4. कलम की नोक 5. लिखावट।

टाँकना स.क्रि. (तद्.) 1. एक वस्तु के साथ दूसरी वस्तु सिलकर जोड़ना 2. एक वस्तु में दूसरी वस्तु बिठाना 3. सीकर अटकना 4. कूटना, छीलना मुहा. मन में टाँक रखना- याद रखना 5. चटकर जाना, खा लेना प्रयो. वह सारे गुलाब जामुन टाँक गया।

टाँका पुं. (देश.) 1. वह वस्तु या कील, जिसके साथ दो वस्तुएँ जुड़ी रहती हैं प्रयो. टाँका उखड़ना, टाँका लगाना, टाँका उधरना, टाँका टूटना। मुहा. टाँका चलाना- कपड़े को सीने के लिए उसमें सुई चलाना; टाँका भरना- सिलाई करना, सीना; टाँका मारना- दूर-दूर सिलाई करना 2. सिलाई, सीवन 3. शरीर के फटे/कटे हुए भाग की सिलाई प्रयो. टाँका खुलना, टाँका टूटना, टाँका लगाना 4. धातुओं को जोड़ने का मसाला पुं. (तद्.) पत्थर काटने की छैनी।

टाँकी स्त्री. (तद्.) 1. पत्थर गड़ने का औजार मुहा. टाँकी बजना- पत्थर की गड़ाई होना, इमारत का काम लगना 2. तरबूज आदि का चौकोर कटाव 3. आरी का दाँता 4. चिप्पी 5. एक प्रकार का घोड़ा।

टाँग पुं. (देश.) 1. कुल्हाड़ा 2. दे. ताँगा।

टाँग स्त्री. (तद्.) 1. जाँघ से एड़ी तक का भाग 2. कुशती का एक पेच। मुहा. टाँग अड़ाना- अनधिकार किसी काम में हाथ डालना, विघ्न डालना; टाँग उठाना- संभोग करना, जल्दी-जल्दी चलना; टाँग उठाकर मूतना- कुत्तों की तरह

मूतना; टाँग टूटना- थकावट होना; टाँग तले से निकलना- हार मानना; टाँग तले से निकालना- हराना, पराजित करना; टाँग तोड़ना- निकम्मा कर देना, किसी भाषा को गलत या अशुद्ध बोलना; टाँग पसारकर सोना- बेखटके सोना, चैन से दिन बिताना; टाँगें रह जाना- चलते-चलते पैर दर्द करना, पाँव लकवा मार जाना; टाँग से टाँग बाँधकर बैठना- हमेशा किसी के पास बैठा रहना।

टाँगन पुं. (देश.) छोटे कद का घोड़ा, टट्टू स.क्रि. किसी को ऊँचे आधार से लटकाना, फाँसी देना।

टाँगी स्त्री. (देश.) कुल्हाड़ी।

टाँगुन स्त्री. (देश.) बाजरे जैसा छोटे दाने का अनाज।

टाँघन स्त्री. (देश.) दे. टाँगन।

टाँच स्त्री. (देश.) टाँका, ऐसी बात जिससे बनता हुआ काम बिगड़ जाए, भाँजी मारना।

टाँचना स.क्रि. (देश.) 1. टाँकना, सीना 2. काटना, काट-छाँट करना, छीलना।

टाँची स्त्री. (देश.) 1. रुपए रखकर कमर में बाँधने की थैली 2. भाँजी।

टाँठा वि. (देश.) 1. कड़ा, कठोर 2. तगड़ा, हृष्ट-पुष्ट।

टाँड़ स्त्री. (देश.) 1. सामान रखने के लिए लकड़ी की पाटन 2. खेत में रखवाली के लिए बनाया गया मचान।

टाँड़ा पुं. (देश.) 1. बाजूबंद-एक प्रकार का गहना 2. व्यापारियों का समूह 3. हरा कीड़ा जो फसल को हानि पहुँचाता है।

टाँय-टाँय स्त्री. (अनु.) कर्कश शब्द, अप्रिय शब्द 2. बक-बक, बकवाद मुहा. टाँय-टाँय करना- बेकार की बातें करना; टाँय-टाँय फिस होना- बढ़-चढ़ कर बातें करना किंतु परिणाम कुछ न निकलना।

टाँस स्त्री. (देश.) हाथ या पैर में नसों के तनाव के कारण होने वाली पीड़ा प्रयो. टाँस चढ़ना- नस चढ़ना।